

असाधारग् EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड IV PART II—Section IV

## प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं॰ 5] **नई विल्ली, गुक्रवार, जनवरी 23, 1981/माध 3, 1902** No. 5] NEW DELHI, FRIDAY, JANUARY 23, 1981/MAGHA 3, 1902

इस भाग में भिम्न पृष्ठ संख्या की जाती है जिससे कि यह अलग संक्रकण के रूप में रखा जा सर्व

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

#### रक्षा मंत्रालय

# अधिस्चना

नई दिल्ली, 23 जनवरी, 1981

का. नि. आ. 8(आ) . स्वास्त्र मेंना (आपात कर्त्तव्य) अधिनियम, 1947 (1947 का 15वां) की धारा 2 की उपभारा (1) द्वारा प्रदत्त शिक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार (क) असम राज्य में विद्युत पूर्ति अधिनियम 1948 के अन्तर्गत गठित राज्य विद्युत बोर्ड की मेवाओं सहित जल और विद्युत के उत्पादन, सम्भरण और वित्तरण में संबंधिका सभी मेवाओं और (ख) बेतार तथा टेलिकोन सेवाओं को समाज के लिए अस्वधिक महत्व की मेवाएं घोषित करती है।

[फा. सं. 2(112)/80/रक्षा (जी. एस.-1)]

के. ए. नम्बियार, संधक्त सचिव (जी)

### MINISTRY OF DEFENCE

### NOTIFICATION

New Delhi, the 23rd January, 1981

S.R.O. 8(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 2 of the Armed Forces (Emergency Duties) Act, 1947 (15 of 1947), the Central Government hereby declares (a) all services in connection with the production, supply and distribution of water and electricity including the services under the State Electricity Board constituted under the Electricity Supply Act 1948 and (b) any Telegraph and Telephone services in the state of Assam to be services of vital importance to the community.

[F. No. 2(112)/80/D(GS. 1)]

K. A. NAMBIAR, Jt. Secy. (G)